चोंच पोंछने के लिए रुमाल नहीं इसलिए पंखों से रगड़ रहे हो?

नहीं जी...

बात यह है कि पंख पक्षियों के लिए खास मतलब रखते हैं। इनकी साफ-सफाई का वे बड़ा ध्यान रखते हैं। तुम अपने बालों में तेल-कंघी करते हो और ये अपने पंखों पर तेल लगाते हैं। ज़्यादातर पक्षियों की पूँछ के पास तेल ग्रंथियाँ होती हैं। चोंच से रगड़कर वो अपने पंखों पर तेल की हल्की-सी परत बना देते हैं। इससे पंख गीली नहीं होते। पानी में भोजन की तलाश करने वाले पक्षियों के लिए तो यह और भी ज़रूरी है। भीगने से पंख भारी हो जाते हैं जिससे पक्षी उड़ नहीं पाते और उनके डूबने का खतरा रहता है।

इसे देखकर तार पर सूखते कपड़े याद हो आए? इन लिटिल कॉरमोरेंट पक्षियों को खाने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। ये पानी में डुबकी लगाते हैं फिर पानी के भीतर ही तैरते हुए अपने शिकार का पीछा करते हैं। शिकार पर कब्ज़ा कर जब वे बाहर आते हैं तो पूरी तरह से भीग चुके होते हैं। इनकी समस्या यह है कि बाकी कई पक्षियों की तरह इनके पास तेल ग्रंथियाँ नहीं होतीं। इसीलिए भीगे पंखों को सुखाने का बस यही एक तरीका बचता है इसके पास।

अरे भाई! चोंच पोंछने के लिए रुमाल नहीं इसलिए पंखों से रगड़ रहे हो। नहीं जी...